कविता

इतिहास में हम...

इतिहास! क्या तुम करोगे हमारा जिक्र
अपनी धुंधलाती फेहरिस्त में...

अपनी हाड़तोड़ मेहनत और वेदना के लिए
हमें कुछ दरकार नहीं
और न ही अपने चित्र हम
कैलेण्डरों पर चाहते हैं।

बस इतना करना कि
हमारी निपट कहानी उन लोगों को
सुना देना
जिन्हें हम नहीं देख पाएंगे
उन्हें बताना जो हमारी जगह लेंगे
कि
हम लड़े थे अपनी पूरी ताकत भर

निकोल वास्पत्सारोव

(रूसी कवि जिन्हें नाजियों ने फांसी पर लटका दिया था)

अंग्रेजी से भाषान्तर : नवनीत बेदार